ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के विरोध में किसानों ने मौन जुलूस निकाला

किसानों ने जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपकर एक्सप्रेस-वे को तुरंत निरस्त करने की मांग की

कोटपूतली, (निसं)। पनियाला से किशनगढ़ तक प्रस्तावित कोटपूतली-किशनगढ़ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के विरोध में किसानों का आक्रोश लगातार बढ़ता ही जा रहा है। किसान महापंचायत के तत्वाधान में सोमवार को बड़ी संख्या में किसानों, महिलाओं व ग्रामीणों ने कस्बे में विशाल मौन जुलूस निकालकर अपना विरोध दर्ज कराया। मौन जुलूस नगर परिषद कार्यालय के सामने से शुरू होकर जिला कलैक्ट्रेट तक पहुंचा। इसके बाद जिला कलैक्टर को मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपकर एक्सप्रेस-वे को तुरंत निरस्त करने की मांग की गई।

ज्ञापन के माध्यम से किसान महापंचायत ने एक्सप्रेस-वे को "जन-जमीन-जंगल-जानवर" और समृद्धि विरोधी बताते हुए कई गंभीर तर्क पेश किए हैं। कोटपूतली से किशनगढ़ तक पहले से ही 225 किलोमीटर लंबा 6 लेन राजमार्ग चालू है। सरकार के अनुसार नए मार्ग से केवल 44 किलोमीटर (कुछ सर्वे में 12-17 किमी) की दूरी कम होगी, जिसके लिए अरबों रुपयों की बर्बादी अनुचित है। इस परियोजना के लिए लगभग 6500 बीघा कृषि भूमि का अधिग्रहण प्रस्तावित है, जो बेहद सिंचित और बहुफसली (उपजाऊ) है। इससे देश की खाद्य सुरक्षा और किसानों की आजीविका पर संकट खड़ा हो जायेगा।

कोटपूतली में किसानों ने मौन जूलुस निकालकर विरोध जताया।

- **ज्ञापन के माध्यम से किसान महापंचायत ने एक्सप्रेस-वे को "जन-जमीन-जंगल-जानवर" और समृद्धि विरोधी बताते हुए कई गंभीर तर्क पेश किए**

एक्सप्रेस-वे 15 फीट ऊंचा बनना प्रस्तावित है, जिससे कई गांव और खेत दो भागों में बंट जायेंगे। खेतों तक जाने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की विकरालता बढ़ेगी। इस मार्ग पर ट्रैक्टर, मोटरसाइकिल, स्कूटर, साइकिल और पैदल चलने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा, जिससे स्थानीय ग्रामीणों के लिए इसकी उपयोगिता शून्य है। ग्रीन फील्ड नाम होने के बावजूद इससे साल भर खेतों में रहने वाली हरियाली नष्ट होगी और खेजड़ी सहित अनगिनत पेड़-पौधों का विनाश होगा।

मौन जुलूस और प्रदर्शन में किसान महापंचायत प्रदेश अध्यक्ष मुसद्दीलाल यादव, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेश बिजारणिया, प्रदेश मंत्री महेश जाखड़, प्रदेश युवा उपाध्यक्ष संदीप यादव, जिलाध्यक्ष बाबूलाल चौधरी, तहसील अध्यक्ष हरसहाय तंवर, महिला तहसील अध्यक्ष बीना शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुभाष यादव, सहमाल गुर्जर, दिनेश गुर्जर, सुगाराम रावत, 94 वर्षीय बुजुर्ग सुल्तान सिंह करवास, सूबेदार मूलचंद, शीशराम, बीरबल, रोहिताश, रामचंद्र बोहरा, रामशरण यादव, हरदान फॉरेस्टर, बनवारी दौराता, निशान्त, हिम्मत सिंह, बाबूलाल यादव, हेमराज यादव व अविनाश शर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित रहे। किसानों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जनहित और खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना को निरस्त नहीं किया तो उनका यह शांतिपूर्ण आंदोलन आने वाले दिनों में और अधिक उग्र रूप ले सकता है।

गौरतलब है कि नवंबर 2025 में ग्राम चिमनपुरा में आयोजित किसान सम्मेलन में किसानों ने "जान दे देंगे, जमीन नहीं देंगे" का ऐतिहासिक संकल्प लिया था। तब से लेकर पिछले 6 महीनों से किसान महापंचायत के नेतृत्व में यह आंदोलन निरंतर जारी है। आंदोलन के विभिन्न चरणों में किसान कई बड़े कदम उठा चुके हैं। विगत माह किसानों ने पनियाला से लेकर जिला कलैक्ट्रेट तक विशाल ट्रैक्टर रैली निकालकर अपनी ताकत दिखाई थी। वहीं 15 से 17 जून तक जिला कलैक्ट्रेट के सामने किसानों ने तीन दिवसीय धरना देकर उग्र प्रदर्शन किया था। वहीं 18 जून को ग्राम गोनेडा में आयोजित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की बैठक में भी किसानों ने अलाइनमेंट और पर्यावरण को होने वाले नुकसान पर विरोध दर्ज कराया था।

टोंक में अवैध बजरी भरे ट्रक ने मकान को टक्कर मारी

- **मकान की दीवार, मुख्य गेट और बिजली का खंभा ढहा, हादसा टला**
- **घटना के बाद से ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, ग्रामीणों में रोष**

टोंक, (निसं)। बरौनी थाना क्षेत्र के मंडावर गांव में रविवार देर रात्रि को अवैध बजरी से भरे ओवरलोड ट्रक ने मकान को टक्कर मार दी, जिससे मकान की दीवार, मुख्य गेट और बिजली का खंभा ढह गया, जिसके बाद से ग्रामीणों में दहशत में है। घटना के बाद से ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों की सूचना के बाद बरौनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। कार्रवाई नहीं होने के कारण ग्रामीण सोमवार को कलैक्ट्रेट पहुंचे और कलैक्टर को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

ज्ञापन में बताया कि मंडावर गांव के मुख्य आबादी क्षेत्र के बीच से एक संकरा सिंगल लेन रास्ता गुजरता है। इस रास्ते पर चार सरकारी स्कूल स्थित हैं, जहां हर समय सैकड़ों मासूम बच्चों की आवाजाही बनी रहती है। इसी मार्ग से होकर प्रतिदिन बजरी के सैकड़ों भारी ट्रक और डंपर तेज गति से गुजरते हैं, ट्रक चालकों पर नशे की हालत में लापरवाही से वाहन चलाने के भी आरोप हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों एक बेकाबू ट्रक की टक्कर से स्कूल की दीवार टूट गई थी। एक बजरी के ट्रक ने आबादी इलाके में एक घर की दीवार तोड़ दी। ग्रामीणों का कहना है कि वे हर पल किसी बड़े जान-माल के नुकसान के डर के साये में जी रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ये ट्रक ईसरदा (सवाई माधोपुर) से बजरी भरकर आते हैं। इनके लिए प्रशासन द्वारा वाया शिवाड़-बरोनी रोड का वैकल्पिक मार्ग निधारित है, जहां से पहले इन ट्रकों का आवागमन होता था।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मंडावर गांव की सीमा में भारी ट्रकों के प्रवेश पर तुरंत रोक लगाई जाए और इन्हें पूर्व निर्धारित शिवाड़-बरोनी मार्ग पर डायवर्ट किया जाए। समस्त ग्रामवासियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि इस गंभीर समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे मुख्य मार्ग पर धरना-प्रदर्शन और चक्का जाम करने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

बदमाश ने महिला के गले से चेन तोड़ी

अजमेर, (कासं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े पुराने नगर निगम भवन के पास एक नकाबपोश बाइक सवार युवक ने एक्टिवा पर अपने पति के साथ घर जा रही महिला के गले से सोने की चेन झपट ली और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

कोतवाली थाने के एएसआई भंवरसिंह ने बताया कि रातीडांग वैशाली नगर निवासी मीना माथुर, 20 जून को अपने पति के साथ एक्टिवा पर सवार होकर घर लौट रही थी। इसी दौरान पुराने नगर निगम भवन के निकट पीछे से आए एक नकाबपोश युवक ने उनकी एक्टिवा के पास बाइक लाकर गले में पहनी सोने की चेन पर झपट्टा मारा। अचानक हुए हमले से महिला संभल भी नहीं पाई और बदमाश चेन तोड़कर तेज गति से फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता और उनके पति ने आसपास के लोगों की मदद से बदमाश की तलाश करने का प्रयास किया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद मीना माथुर ने कोतवाली थाना पहुंचकर घटना की शिकायत दर्ज कराई।

लालसोट में हमला करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

- **100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर पुलिस ने दबोचा**

लालसोट, (निसं)। उपखंड के मंडावरी कस्बे में गत दिनों हुए प्राणघातक हमले के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक दौसा के निर्देशन में मंडावरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मंडावरी थानाधिकारी सुधीर कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने महेश कुमार मीना निवासी डिवांचली, विक्की मीना निवासी डिवांचली तथा गोविन्द मीना निवासी खेड़ला खुर्द को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 17 जून को धर्मराज गुर्जर ने मंडावरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके चाचा भूरसिंह गुर्जर 16 जून को मंडावरी स्थित होंडा शोरूम के पास एक दुकान पर बैठे हुए थे। इसी दौरान बोलेरो और कई मोटरसाइकिलों पर सवार 10-12 लोगों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने पत्थरों और अन्य हथियारों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने अपने मित्र योगेन्द्र उर्फ धर्मेन्द्र की हत्या का बदला लेने की नीयत से भूरसिंह गुर्जर पर हमला किया था। वारदात के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं वृताधिकारी के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने आरोपियों की तलाश में 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया तथा सायबर तकनीक की सहायता ली। लगातार दबिश और करीब 300 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है तथा मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

हुंकार रैली में हनुमान बेनीवाल ने सीएम के खिलाफ बोला तो जगतसिंह मंच छोड़कर चले गये

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में युवा जाट आरक्षण संघर्ष समिति की ओर से नुमाइश मैदान में आयोजित हुंकार रैली को मुख्य अतिथि के रूप में आरएलपी सुप्रीमो सांसद हनुमान बेनीवाल ने संबोधित किया। मुख्य रूप से भाजपा विधायक डॉ. शैलेश सिंह एवं जगत सिंह मौजूद रहे। हुंकार रैली में सांसद हनुमान बेनीवाल के द्वारा मंच पर मुख्यमंत्री के खिलाफ बोलने से नाराज होकर नदबई विधायक जगत सिंह मंच छोड़कर चले गए।

- **बेनीवाल ने विधायक जगत सिंह व डॉ. शैलेश सिंह से माला, साफा नहीं पहना**
- **युवा जाट आरक्षण संघर्ष समिति की ओर से भरतपुर में हुई हुंकार रैली**

मंच पर आरएलपी सुप्रीमो सांसद हनुमान बेनीवाल, भाजपा विधायक जगत सिंह, नेमसिंह फ़ौज़दार आदि मौजूद रहे।

मंच पर मौजूद भाजपा विधायक जगत सिंह व डॉ. शैलेश सिंह से हनुमान बेनीवाल ने माला, साफा नहीं पहना। नेमसिंह फ़ौज़दार ने बेनीवाल का माला साफा पहनाकर स्वागत किया। रैली में भरतपुर डीग के अलावा राजस्थान, हरियाणा, यूपी, दिल्ली के अलावा नागौर सीकर के लोग भी आए।

भरतपुर में आरक्षण के मुद्दे को लेकर नुमाइश मैदान में अयोजित रैली में बेनीवाल की ओर से विधायक जगत सिंह को सम्मान नहीं मिला एवं भीड़ ने भी उन्हें नहीं सुना। सांसद हनुमान बेनीवाल रैली में आयोजकों द्वारा घोषित निर्धारित समय से तीन घंटे से अधिक देरी से सभा स्थल पर पहुंचे। सभा स्थल दोपहर ढाई बजे तक भीड़ कम थी। बाद में बेनीवाल के आने की सूचना पर भीड़ दिखाई दी। आयोजकों ने हुंकार रैली में लाखों की भीड़ जुटाने का दावा किया था, लेकिन उनके दावे सफ़ल नहीं हुए। रैली का उद्देश्य भरतपुर, धौलपुर और डीग के जाटों को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की मांग को मुखर करना था। इन तीनों जिलों के जाटों को राज्य स्तर पर ओबीसी आरक्षण मिलता है लेकिन केंद्र सरकार की नौकरियों और केंद्रीय शिक्षण संस्थानों में यह लाभ नहीं मिलता। यह मांग 2015 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से लंबित है। रैली में भरतपुर, धौलपुर और डीग जिले के जाटों को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की मांग की गई।

मर्डर केस में कई आरोपी हिरासत में

जोधपुर, (कासं)। शहर के व्यस्त बॉम्बे मोटर्स चौराहे से 12वीं रोड के बीच शुक्रवार देर रात हुए जानलेवा हमले और फायरिंग कांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस जल्द ही इस मामले का पूरा खुलासा करेगी। इससे पहले पुलिस ने एक नाबालिग को संरक्षण में लिया है, जबकि एक अन्य संदिग्ध युवक को डिटेन कर उससे गहन पूछताछ की थी।

गौरतलब है कि फायरिंग में गंभीर रूप से घायल हुए विक्की फाइटर की शनिवार को उपचार के दौरान मौत हो गई थी। वहीं उसका साथी सन्नी हंस अस्पताल में भर्ती है। सन्नी के दोनों पैरों में फ्रैक्चर है और भागने के दौरान उसके पीठ में गोली लगी थी। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। पुलिस जांच में प्रारंभिक तौर पर पुरानी रंजिश को वारदात का मुख्य कारण माना जा रहा है। रिपोर्ट में नामजद विशाल पंडित और घायल सन्नी हंस के बीच आपसी रंजिश रही है।

देवली के सूने मकान से लाखों के जेवर व नकदी चोरी

- **वारदात के समय पीड़ित परिवार ससुराल गया हुआ था**

टोंक, (निसं)। देवली में सूने मकान से चोरी का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार रविवार को ससुराल गया हुआ था। सोमवार को सवेरे पड़ोसियों ने घर का दरवाजा खुला देखा तो पीड़ित के भाई को घटना की जानकारी दी। इस दौरान चोरों ने सूने मकान से लाखों रुपए के सोने-चांदी के गहने और नकदी चोरी कर ली।

पीड़ित के भाई हरीश अग्रवाल ने बताया कि उनके बड़े भाई जयकुमार अग्रवाल परिवार सहित ससुराल गए हुए थे, घटना के बाद सोमवार को पड़ोसियों ने कॉल कर सूचना दी कि उनके घर के दरवाजे खुले हुए हैं और सामान बिखरा हुआ है, जिसके बाद वह मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि चोर मेन गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसे और अलमारियों में रखे कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया तथा मकान की ऊपरी मंजिल पर किराएदार भी रहते हैं, लेकिन उन्हें चोरी की इस वारदात की भनक तक नहीं लगी। परिवादी द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, चोरों ने घर से सोने की अंगूठी, सोने का लॉकेट, सोने के टॉप्स की 2 जोड़ी, चांदी की पायल की 3 जोड़ी, चांदी की बिछिया की 4 जोड़ी, चांदी की चेन, सोने की चेन, चांदी की कटोरी व चम्मच, कान की सोने की बाली की 2 जोड़ी तथा 20 हजार रुपए की नकदी चोरी की है। सूचना मिलने पर देवली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली तथा मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया।

ठगी का फरार आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला विशेष स्पेशल टीम एंव पुलिस थाना उनियारा की गठित टीम ने सायबर ठगी प्रकरण में थाना उनियारा में दर्ज प्रकरण आईटी एक्ट में फरार आरोपी खुशीराम पुत्र सुदामा मीणा निवासी बिलोता थाना अलीगढ़ को डिटेन कर बाद पुछताछ के गिरफ्तार किया गया है। आरोपी थाना अलीगढ़ के प्रकरण में फरार चल रहा था। आरोपी द्वारा अब तक की पूछताछ से स्वयं के 10 बैंक खाते तथा करीबन 50-60 बैंक खाते कमीशन के आधार पर सायबर ठगी में उपयोग में लिया जाना सामने आया है। आरोपी के बैंक खातों व मोबाइल नम्बर पर एनसीआरपी पोर्टल पर 21 शिकायतें दर्ज है। जिसके सम्बन्ध में आरोपी से गहनता से पूछताछ व अनुसंधान किया जा रहा है।

सिलीसेढ़ झील (रामसर साइट) पर होटल की सील खुलवाने पर आयोग अध्यक्ष सस्पेंड

सील हटाने की एवज में 16.50 लाख रुपए की उगाही करने का आरोप

- **जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग (जयपुर द्वितीय) के अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीणा ने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर फैसला लिया था**

अलवर, (निसं)। अलवर के देसी ठाठ होटल की सील हटाने और इस एवज में करीब 16.50 लाख रुपए की उगाही करने के गंभीर आरोप में सरकार ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग (जयपुर द्वितीय) के अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीणा को सस्पेंड कर दिया है। सरकार ने उनकी सभी न्यायिक शक्तियां भी छीन ली है।

मीणा पर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर अलवर के मामले में सुनवाई ही नहीं की, बल्कि सील हटाने के आदेश भी दिए थे। यही नहीं खुद मौके पर आकर सील भी हटवाई थी। इससे पहले भी ग्यारसीलाल मीणा पर तीन अन्य मामलों में गंभीर आरोप लग चुके हैं। जयपुर उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीणा ने नियमों को ताक पर रखकर अलवर के देसी ठाठ होटल से जुड़े एक मामले में सील हटवाई थी। खुद मौके पर आ गए थे। नियम के मुताबिक, उपभोक्ता मामलों की सुनवाई संबंधित जिले के आयोग में ही हो सकती है। अलवर का मामला जयपुर आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता था। अध्यक्ष मीणा ने न केवल नियमों के विपरीत जाकर आदेश जारी किए, बल्कि वे खुद ही मौके (अलवर) पर होटल की सील हटवाने पहुंच गए। इस पूरे खेल के पीछे भारी लेन-देन की शिकायत सामने आई थी। आरोप है कि होटल की सील हटाने के बदले 16.50 लाख रुपए की उगाही की गई। इस गंभीर शिकायत पर प्रारंभिक जांच के बाद सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीणा को सस्पेंड कर दिया।

अलवर यूआईटी ने जयपुर उपभोक्ता आयोग के इस फैसले को राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने मामले का कड़ा संज्ञान लेते हुए होटल को दोबारा सील करने के आदेश दिए। यह होटल अलवर की मशहूर सिलीसेढ़ झील (रामसर साइट) के पेटे (कैचमेंट एरिया) पर बना हुआ है, जहां भारी अवैध निर्माण किया गया है। इसी अवैध निर्माण के कारण यूआईटी ने इस पर सील लगाई थी, जिसे खुलवाने के लिए यह पूरा हथकंडा अपनाया गया।

छबड़ा में डीएपी खाद संकट को लेकर किसानों का गुस्सा फूटा

- **आक्रोशित किसानों ने जाम लगाकर विरोध जताया**

छबड़ा, (निसं)। डीएपी संकट को लेकर किसानों का गुस्सा एक बार फिर से सड़क पर फूट पड़ा। सोमवार को आक्रोशित किसानों ने पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिलने व समय पर वितरण नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए मुख्य मार्ग जाम कर विरोध-प्रदर्शन किया, हालांकि, समझाइश उपरांत मामला शांत हो गया।

जानकारी के अनुसार खाद की किल्लत को लेकर किसानों का आक्रोश फिर से उबाल पर है। यहां किसानों ने मुख्य मार्ग जाम कर प्रशासन और कृषि विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए नाराजगी जाहिर की। जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं और यातायात बाधित हो गया। मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों ने समझाइश की, तब जाकर मामला शांत हुआ। प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना था है कि खेती के महत्वपूर्ण समय में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। क्योंकि रबी की बुवाई का समय निकला जा रहा है, लेकिन उन्हें खेतों में डालने के लिए पर्याप्त डीएपी खाद नहीं मिल पा रही है। खाद नहीं मिलने के कारण फसल खराब होने की आशंका बढ़ गई है।

इस मामले में कृषि विभाग के सहायक कृषि अधिकारी चौथमल मीणा ने बताया कि वर्तमान में खाद का स्टॉक खत्म हो चुका है। उन्होंने खाद की नई रैंक आने के पश्चात् त्वरित वितरण किए जाने के लिए आश्वस्त किया है। मीणा ने किसानों से धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

माध्यमिक शिक्षा विभाग में 11 साल से स्टाफिंग पैटर्न की नहीं हुई समीक्षा

- **स्टाफिंग पैटर्न की समीक्षा नहीं होने का असर अब सरकारी स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्था पर दिखाई देने लगा है**
- **कई विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने के बावजूद शिक्षक नहीं हैं, जबकि कुछ स्कूलों में नामांकन घटने से शिक्षक अधिशेष हो गए**

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा विभाग में वर्ष 2015 में लागू किए गए स्टाफिंग पैटर्न की पिछले 11 वर्ष से समीक्षा नहीं होने का असर अब सरकारी स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्था पर साफ दिखाई देने लगा है। नियमों के अनुसार हर दो वर्ष में समीक्षा होनी चाहिए थी, लेकिन विभाग ने अब तक एक बार भी संशोधन नहीं किया। इसके चलते कई विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने के बावजूद शिक्षक नहीं हैं, जबकि कुछ स्कूलों में नामांकन घटने से शिक्षक अधिशेष हो गए हैं।

राज्य में 2021-22 में 475 उच्च प्राथमिक स्कूलों को माध्यमिक स्तर तक क्रमोन्नत किया गया। फिर बजट 2022-23 की घोषणा के तहत सभी 3833 माध्यमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक स्तर तक क्रमोन्नत कर दिया गया। इससे पूर्व तथा इसके पश्चात सैकड़ों स्कूलों को क्रमोन्नत किया गया, नए संकाय और नए विषय खोले गए, मगर इन स्कूलों में स्टाफिंग पैटर्न के मुताबिक आज तक सभी शैक्षिक पद स्वीकृत नहीं किए जा सके हैं। पिछले पांच साल से लगातार नामांकन में गिरावट आ रही है। स्टाफिंग पैटर्न 30 अप्रैल 2015 के तहत नव क्रमोन्नत उच्च माध्यमिक स्कूलों में 1 प्रधानाचार्य, 3 व्याख्याता, 3 वरिष्ठ अध्यापक सहित 3 अध्यापक लेवल-द्वितीय, 1 शारीरिक शिक्षा अध्यापक, 2 अध्यापक लेवल प्रथम पद आवश्यक हैं। वहीं न्यू स्टाफिंग पैटर्न 2015 लागू करते समय यह प्रावधान किया गया था कि दो वर्ष बाद कक्षा 11 और 12 में निर्धारित छात्र संख्या होने पर अनिवार्य हिंदी तथा अनिवार्य अंग्रेजी के व्याख्याता पद स्वीकृत किए जाएंगे, लेकिन ये पद भी स्वीकृत नहीं किए जा सके हैं। शिक्षा विभाग ने वर्ष 2022-23 में क्रमोन्नत किए गए 3833 स्कूलों में 11,499 व्याख्याताओं सहित टीचिंग-नॉन टीचिंग के स्टाफ के 20,803 पदों के प्रस्ताव शिक्षा निदेशालय ने पिछले साल राज्य सरकार को भिजवाए थे। लेकिन वित्त विभाग से अभी तक पदों की मंजूरी नहीं मिली है। प्रदेश में वर्ष 2013 के बाद क्रमोन्नत किए गए किसी भी विद्यालय में अनिवार्य विषय हिंदी और अंग्रेजी के व्याख्याता पद स्वीकृत नहीं किए गए। वर्तमान में प्रदेश के लगभग 19 हजार उच्च माध्यमिक विद्यालयों में से केवल 6 हजार विद्यालयों में ही इन विषयों के व्याख्याता पद स्वीकृत हैं। शेष 13 हजार विद्यालयों में केवल वैकल्पिक विषयों के व्याख्याता पद स्वीकृत हैं, जिससे भाषा विषयों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

महेंद्र पांडे, मुख्य महामंत्री, राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का कहना है कि 29 जून से स्कूल खुलेंगे। राज्य सरकार को चाहिए कि सभी स्कूलों में स्टाफिंग पैटर्न के मुताबिक शैक्षिक पद स्वीकृत किए जाएं। इस संबंध में राज्य सरकार को संगठन की ओर से ज्ञापन भेजा गया है।

कोटा में दो कारों से 25.65 लाख की शराब बरामद

कोटा, (निसं)। मंडाना पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दो कारों से पंजाब निर्मित अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई अवैध शराब की कीमत 25 लाख 65 हजार रुपए के करीब बताई गई है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि मंडाना थाना अधिकारी वासुदेव मय जाप्ता इलाके में चैंकिग व गश्त करते हुए फाटाखेड़ा पुलिया के पास एनएच 52 पर पहुंचे। जहां पर पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि दो कार रात से ही रामनिवास होटल के आगे हाइवे से नीचे काल्याखेड़ी चौकी जाने वाले मोड पर खड़ी हुई है, जिसके आस-पास चार व्यक्ति घूम रहे है उक्त दोनों कारों में कोई अवैध हथियार या शराब होने की पूर्ण संभावना है।

सूचना पर वासुदेव थानाधिकारी पुलिस टीम को लेकर मौके पर पहुँचे। जहां पर मुखबिर के बताये नम्बरों की दो कार दिखाई दी। जिसके पास चार व्यक्ति खड़े हुये हैं, जो पुलिस जीप को देखकर कार से दूर रामनिवास होटल की तरफ जाने लगे। इसी दौरान नाकाबंदी जाप्ता की मदद से चारों संदिग्ध व्यक्तियों को डिटेन कर पूछताछ की गई तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। तभी संदेह होने पर दोनों कारों को चैक किया गया तो कारों से पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब की अलग-अलग ब्रांड की 426 बोतलें बरामद की। पुलिस ने धवल वी पंड्या, तेजस कुमार बन्द्रकान्त, लक्ष्य शर्मा और वृज विक्रमसिह दरबार को गिरफ्तार किया।

जमीन में आई दरार की जांच शुरु

लूणकरणसर, (निसं)। हंसेरा की रोही में किसान संतराम भोभरिया के खेत में बनी जमीन दरार का जियोलॉजिकल विभाग बीकानेर की टीम ने निरीक्षण किया। बारिश के बाद खेत में यह दरार बन गई थी। टीम ने मौके का जायजा लेकर रिपोर्ट तैयार की।

जियोलॉजिकल विभाग बीकानेर के ओआर द्वितीय सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में यह निरीक्षण किया गया। इस दौरान राजस्व विभाग के हल्का पटवारी मनफूल गोदारा, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि ओमप्रकाश गोदारा, ग्राम विकास अधिकारी राजेश और पुलिस टीम भी मौजूद रही। सुरेंद्र कुमार ने बताया कि दरार वाले क्षेत्र का गहन अध्ययन किया जाएगा। गहन निरीक्षण के बाद ही दरार आने के सही कारणों का पता चल पाएगा। टीम यह जांच करेगी कि यह दरार भू-जल स्तर, मिट्टी कटाव या किसी अन्य भूगर्भीय कारण से हुई है।